NACO
National AIDS Control Organisation
India's Voice against AIDS
Ministry of Health & Family Welfare, Government of India
www.naco.gov.in

जुलाई – सितंबर

खंड X अंक 20 (II)

नाको समाचार

कोरोना से सुरक्षित रहें

अपना मास्क ठीक से पहनें

अपने हाथों को साबुन से बार–बार धोएं

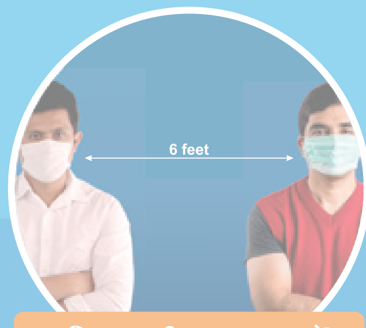

उचित दूरी बनाए रखें

कोई लापरवाही नहीं जब तक इलाज न आ जाए

अनुक्रमाणिका

राष्ट्रीय:

कोविड–19 वैश्विक महामारी के दौरान राष्ट्रीय एड्स प्रतिक्रिया का अनुरक्षण एवं संवर्धन करना 04

पीएलएचआईवी के मनोवैज्ञानिक समर्थन हेतु प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (टीओटी) कार्यक्रम का आरंभ 05

नाको और एनईसी की प्रथम संयुक्त कार्यकारी समूह की बैठक 06

एचआईवी एवं टीबी सह–संक्रमण– नाको तथा एनटीईपी द्वारा विकसित एक समन्वित ढांचा 07

ब्राउन बैग सेमिनार सीरीज – 14 सितंबर 08

ब्राउन बैग सेमिनार सीरीज – 13 अगस्त 09

राज्य:

अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस का आयोजन – ओडिशा राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी 11

अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस का आयोजन – गोवा राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी 12

अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस का आयोजन – नागालैंड राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी 14

विभिन्न डिजिटल प्रयास – जम्मू और कश्मीर एसएसीएस 14

युवाओं हेतु संयुक्त कार्यकारी समूह बैठक – पुडुच्चेरी एसएसीएस 16

पश्चिम बंगाल में ईएमटीसीटी सप्ताह का आयोजन 17

रेड आर्मी ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी – सिक्किम एसएसीएस 19

मुख्यधारा में "जागरूक रहें– सावधानी रखें" अभियान – हरियाणा एसएसीएस 20

कोविड–19 के दौरान रक्त की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सौम्य और आनुवांशिक कदम – केरल एसएसीएस 23

राष्ट्रीय स्तर

कोविड–19 वैश्विक महामारी के दौरान राष्ट्रीय एड्स प्रतिक्रिया का अनुरक्षण एवं संवर्धन करना

'कोविड–19 वैश्विक महामारी के दौरान राष्ट्रीय एड्स प्रतिक्रिया का अनुरक्षण एवं संवर्धन करना' विषय पर एक उच्चस्तरीय बैठक का आयोजन नाको में दिनांक 23 जुलाई, 2020 को श्रीमती प्रीति सुदन, सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की अध्यक्षता में किया गया। नाको की ओर से इस बैठक में सहभागिता श्रीमती आरती आहूजा, अतिरिक्त सचिव एवं महानिदेशक, नाको, श्री आलोक सक्सेना, संयुक्त सचिव, नाको, अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण नाको तथा समुदायों जैसे यूएन एजेन्सियों, विश्व बैंक, पीईपीएफएआर के प्रतिनिधियों और कार्यान्वयी अभिकरणों के साझेदारों ने की। कई प्रतिभागियों ने वर्चुअल मंच के माध्यम से बैठक में हिस्सा लिया।

इस उच्चस्तरीय बैठक के दौरान, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के विभिन्न स्तंभों को मजबूत करने के लिए व्यापक विचार–विमर्श हुआ जैसे कि सामाजिक सुरक्षा योजना और मुख्यधारा, अंतर–मंत्रालय पहल, मानसिक स्वास्थ्य, एनएसीपी में समुदायों से सर्वोत्तम प्रथाओं को शामिल करना, एचआईवी/एड्स (रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, 2017, किशोरावस्था के संदर्भ में एनएसीपी, मिजोरम एकीकृत कार्य योजना पर प्रगति की समीक्षा करना, प्रवासन और कोविड–19, कोविड–19 के संदर्भ और एचआईवी अनुमान 2019 में एनएसीपी सेवा वितरण के अन्य प्रोग्रामैटिक री–इंजीनियरिंग इत्यादि।

डा. प्रदीप कुमार, नाको

पीएलएचआईवी के मनोवैज्ञानिक समर्थन हेतु प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (टीओटी) कार्यक्रम का आरंभ

श्रीमती प्रीति सुदन, सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने एचआईवी के साथ जी रहे लोगों के लिए कोविड–19 के दौरान मनोवैज्ञानिक समर्थन प्रदान करने के लिए प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (टीओटी) कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस संबंध में एक उच्चस्तरीय बैठक का आयोजन निर्माण भवन, नई दिल्ली में दिनांक 30 जुलाई, 2020 को किया गया था। इस शुभारंभ के अवसर पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में शामिल थे श्रीमती आरती आहूजा, अतिरिक्त सचिव एवं महानिदेशक, नाको, सुश्री वंदना गुरनानी, अतिरिक्त सचिव एवं महानिदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, श्री आलोक सक्सेना, संयुक्त सचिव, नाको, तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण। निम्हान्स (NIMHANS), बैंगलुरू के वरिष्ठ कार्यक्रम प्रबंधन टीम ने वर्चुअल मंच के माध्यम से इस बैठक में सहभागिता की।

इस कार्यक्रम की शुरूआत ने राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और स्नायु विज्ञान संस्थान (निम्हान्स) को इससे संलग्न किया है जिससे कि राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको) की राष्ट्रीय टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 1097 के परामर्शदाताओं को प्रशिक्षण दिया जा सके। इस कार्यक्रम का उद्देश्य एचआईवी/एड्स से संक्रमित लोगों (पीएलएचआईवी) को कोविड–19 वैश्विक महामारी के दौरान मानसिक–सामाजिक समर्थन प्रदान करना होगा।

निम्हान्स, पीएलएचआईवी समुदायों तक पहुंचने में नाको काउंसलरों को प्रशिक्षित करेगा, विशेष रूप से उन पीएलएचआईवी तक जो मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों का सामना कर रहे हैं। निम्हान्स का आपदा प्रबंधन विभाग काउंसलरों को पीएलएचआईवी की कार्यप्रणाली का आकलन करने के लिए प्रशिक्षित करेगा।

जिन पीएलएचआईवी का सीडी4 काउंट कम हो, या वायरल लोड बड़ा हुआ हो या ट्यूबरक्लोसिस जैसे अवसरवादी संक्रमण से हाल में ही संक्रमित हुए हो तो उनको कोरोनो वायरस से संक्रमित होने का उच्च जोखिम रहता है।

डॉ. ज्योतिका चीमा, नाको

नाको और एनईसी की प्रथम संयुक्त कार्यकारी समूह की बैठक

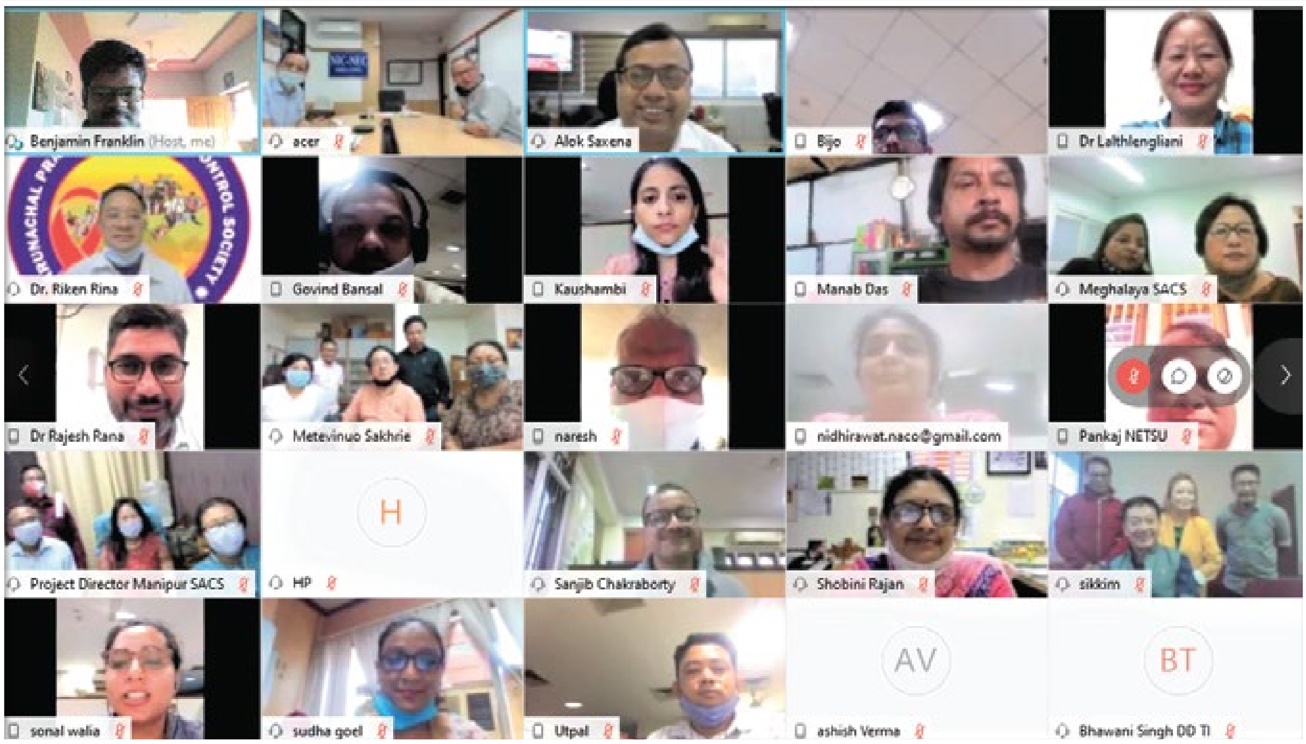

जॉइंट वर्किंग ग्रुप (जेडब्ल्यूजी) की प्रथम बैठक उत्तर पूर्वी परिषद (एनईसी), पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय (एमओडीओएनईआर) तथा राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के बीच वर्चुअल मंच के माध्यम से दिनांक 7 सितंबर, 2020 को श्री के. मोसेस चेलाई, सचिव, एनईसी की अध्यक्षता में आयोजित की गई थी। बैठक में भाग लेने वाले अन्य व्यक्तियों में शामिल थे संयुक्त सचिव, नाको; योजना सलाहकार एनईसी, उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास (डीओएनईआर) मंत्रालय; अतिरिक्त महानिदेशक, नाको; उप महानिदेशक, नाको; 8 पूर्वोत्तर राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटियों (राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी) के परियोजना निदेशक तथा नाको एवं राज्य एड्स नियंत्रण सोसा. इटी के वरिष्ठ अधिकारीगण। एचआईवी/एड्स हस्तक्षेपों में वृद्धि हेतु एनईसी के सहकार्य में अवसरों का उपयोग करने पर चर्चा के लिए इस मंच का उपयोग किया गया था।

श्री के मोसेस चालाई, सचिव, एनईसी ने नाको, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा की जा रही गतिविधियां विशेष रूप से पीएलएचआईवी के लिए जागरूकता, रोकथाम, उपचार एवं देखभाल और समर्थन करने की सराहना की। उत्तर पूर्वी परिषद ने अपनी सीमा के भीतर रणनीतिक हस्तक्षेप और सहायक संलग्नक के माध्यम से तथा स्वास्थ्य हस्तक्षेप पर दिए गए जनादेश के पालन में एचआईवी और एड्स से जुड़े मुद्दों को संबोधित करने हेतु सहमति व्यक्त की। पूर्वोत्तर क्षेत्र (एनईआर) में राज्य सरकारों के साथ एनईसी की उच्च स्तरीय बैठक के दौरान एनईसी पक्षसमर्थन और लाभ उठाने से संबंधित गतिविधियों में भी समर्थन कर सकता है।

श्री आलोक सक्सेना, संयुक्त सचिव, नाको ने उत्तर पूर्वी क्षेत्र से एचआईवी प्रतिक्रिया को सुदृढ़ करने हेतु एनईसी के साथ साझेदारी के महत्व का उल्लेख किया।

उन्होने विशेष तौर पर उल्लेख किया कि इन राज्यों में हाई–प्रायोरिटी ज़िलों पर रणनीतिक हस्तक्षेप तथा विशेष फोकस दिए जाने की जरूरत है। उन्होंने आगे कहा कि नाको तथा एनईसी के मध्य भागीदारी पूर्वोत्तर राज्यों में इस अंतराल को पाटेगा और इसके परिणामस्वरूप अगले चरण तक इस राष्ट्रीय कार्यक्रम को मजबूती मिलेगी।

पूर्वोत्तर राज्यों से परियोजना निदेशकों तथा आईईसी टीम के आठ एड्स नियंत्रण सोसाइटी के सदस्यों को श्री आशीष वर्मा, नाको (असम, अरूणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम तथा त्रिपुरा) ने सभी प्रतिभागियों के साथ संबोधित किया और उनके संबंधित राज्यों में महामारी के परिदृश्यों के बारे में, लॉकडाउन के दौरान की गई प्रमुख गतिविधियों, अंतरालों तथा कोविड–19 की परिस्थितियों में एनएसीपी में चुनौतियों के साथ साथ उत्तर पूर्व परिषद से उनकी अपेक्षाओं के बारे में संक्षेप में जानकारी दी। बैठक में कार्यक्रमों से संबंधित प्राथमिकताओं के बारे में भी राज्यों द्वारा चर्चा की गई।

श्री आशीष वर्मा, नाको

एचआईवी एवं टीबी सह–संक्रमण– नाको तथा एनटीईपी द्वारा विकसित एक समन्वित ढांचा

भारत में तपेदिक एक सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बनी हुई है, और यह एचआईवी (पीएलएचआईवी) वाले लोगों के बीच सबसे आम अवसरवादी संक्रमण (ओप्पोर्चुनिस्टिक इन्फेक्शन) है। एचआईवी और टीबी सह–संक्रमण के दोहरे बोझ के प्रभाव को कम करने के लिए, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम और राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम ने एक सहयोगी ढांचा विकसित किया है। ढांचे के उद्देश्यों में सभी स्तरों पर कार्यक्रमों के बीच एक समन्वय तंत्र का विकास शामिल है और टीबी/एचआईवी के कारण रुग्णता और मृत्यु दर में कमी, एक साथ रेट्रोवायरल थेरेपी, एंटी–ट्यूबरकुलोसिस और एंटी–प्रोविजन के माध्यम से सेवाओं, रोकथाम, शीघ्र पहचान और शीघ्र प्रबंधन तक पहुंच सुनिश्चित करना है। संयुक्त टीबी–एचआईवी सहयोगी गतिविधि के एक भाग के रूप में, सभी पीएलएचआईवी को एकल खिड़की वितरण तंत्र के माध्यम से एआरटी केंद्र पर एचआईवी और टीबी सह–संक्रमण, टीबी निवारक चिकित्सा आदि जैसे प्रबंधन सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। साथ ही

टीबी–एचआईवी समन्वित गतिविधियों पर राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम (एनएसीपी) तथा राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) के कार्यक्रम प्रबंधकों को अद्यतन जानका. री देने के लिए, जिसमें एकल खिड़की सेवा प्रदेयता प्रणाली एआरटी केन्द्रों हेतु शामिल है, और इन समन्वित गतिविधियों समुचित रिकार्डिंग एवं रिपोर्टिंग के लिए एक राष्ट्रीय स्तर की प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण (टीओटी) का आयोजन संयुक्त सचिव, नाको की अध्यक्षता में 11 अगस्त, 2020 को वर्चुअल मंच के माध्यम से किया गया, जिसमें अतिरिक्त परियोजना निदेशक (एपीडी), संयुक्त निदेशक (जेडी), प्रभारी एचआईवी–टीबी, देखभाल समर्थन एवं उपचार के नोडल अधिकारी, तकनीकी विशेषज्ञ (सीएसटी) और सभी एसएसीएस के क्षेत्रीय समन्वयक (सीएसटी), राज्य टीबी अधिकारी और स्टेट हेड क्वार्टर के सलाहकार (एनटीईपी) एवं सभी राज्यों के क्षेत्रीय टीम लीड्स (एनटीईपी) ने भागीदारी की।

टीओटी, डॉ. ए. के. पुरी, डीडीजी (बीएसडी), नाको, डॉ. नरेश गोयल, डीडीजी (आईईसी एवं सीएसटी) नाको, डॉ. शोभिनी राजन, डीडीजी (एसआई), नाको और डॉ. के. एस. सचदेवा डीडीजी (टीबी), सीटीडी के मार्गदर्शन में आमंत्रित की गई थी।

राष्ट्रीय प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (टीओटी) को दोनों, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको) और सेंट्रल टीबी डिवीजन (सीटीडी) के अधिकारियों द्वारा सुविधा प्रदान की गई थी और इसे डॉ. ललित महेन्द्रू, राष्ट्रीय सलाहकार एचआईवी–टीबी और डॉ. ज्योति शर्मा, एसी (एचआईवी–टीबी) नाको द्वारा समन्वित किया था। टीओटी के दौरान 160 से अधिक प्रतिभा. गियों को प्रशिक्षित किया गया।

डा. ज्योति शर्मा, नाको

ब्राउन बैग सेमिनार सीरीज – 1

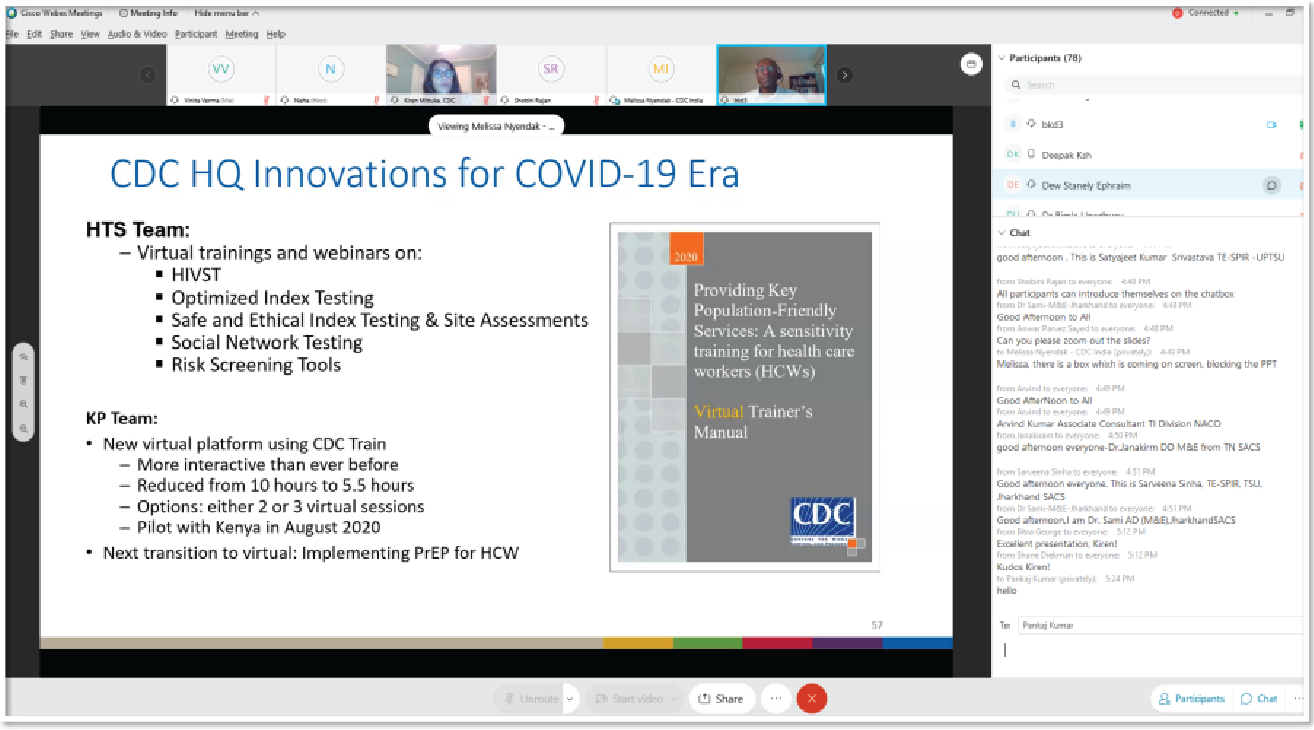

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन अपनी क्षमता निर्माण की पहल के हिस्से के रूप में विभिन्न गतिविधियाँ करता है। क्रॉस–संस्थागत सहयोग और क्षमता निर्माण की भावना के अनुरूप, ब्राउन बैग सेमिनार सीरीज की शुरुआत वर्ष 2016 में एनएसीओ, विकास साझेदारों और अन्य प्रमुख हितधारकों में कार्यक्रम प्रबंधकों के क्षमता और ज्ञान का निर्माण व एचआईवी/एड्स और अनुसंधान में नए विकास करने के उद्देश्य से की गई थी।

सीरीज में एक और कड़ी जोड़ते हुए दिनांक 14 सितंबर, 2020 को एक वार्ता आयोजित की गई थी। चर्चा का विषय था: **"कोविड–19 के दौरान एचआईवी में लाभ को बनाए रखना: पीईपीएफएआर– समर्थित देशों का अनुभव"** जिसे वेबेक्स के माध्यम से डॉ. बाकरी ड्रामेह और किरेन मटरुका, डिवीजन ऑफ ग्लोबल एचआईवी एंड टीबी, रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (सीडीआर) मुख्यालय की ओर से आयोजित किया गया।

कोविड–19 के संदर्भ में, पीईपीएफएआर समर्थित देशों से एचआईवी हस्तक्षेपों से सीख, कर्मचारियों और एचआईवी ग्राहकों के जोखिम को कम करने और प्रभावित क्षेत्रों में ग्राहकों की सेवा करने के तरीकों में लचीलापन, जो कि एचआईवी निरंतरता की देखभाल और संपर्क सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण हैं, साझा किया जा सकता है जो भारत के लिए प्रासंगिक हो सकता है।

नेहा कपूर, नाको
विनीता वर्मा, नाको

ब्राउन बैग सेमिनार सीरीज–2

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन अपनी क्षमता निर्माण की पहल के हिस्से के रूप में विभिन्न गतिविधियाँ करता है। क्रॉस–संस्थागत सहयोग और क्षमता निर्माण की भावना के अनुरूप, ब्राउन बैग सेमिनार सीरीज की शुरुआत वर्ष 2016 में एनएसीओ, विकास साझेदारों और अन्य प्रमुख हितधारकों में कार्यक्रम प्रबंधकों के क्षमता और ज्ञान का निर्माण व एचआईवी/एड्स और अनुसंधान में नए विकास करने के उद्देश्य से की गई थी।

सीरीज के भाग के रूप में, वेबएक्स के माध्यम से 13 अगस्त, 2020 को एक ऑनलाइन वार्ता आयोजित की गई थी। सीरीज का विषय 'कोविड–19 के दौरान लिंग अल्पसंख्यक आबादी के लिए एचआईवी सेवा वितरण, बोस्टन से अनुभव', और वक्ता थे, द फेनवे इंस्टीट्यूट से डॉ. केनेथ मेयर और एलेक्स केरोघ्लियन और मासच्युसी जनरल अस्पताल से डॉ. केविन अर्द। इस वार्ता में नाको के वरिष्ठ अधिकारी, कार्यक्रम प्रबंधक, राज्य एड्स नियंत्रण समितियों के वरिष्ठ अधिकारी और तकनीकी सहायता इकाइयां, विशेषज्ञ, शिक्षाविद, शोधकर्ता, विकास और कार्यान्वयन भागीदार, सिविल सोसाइटी और सामुदायिक प्रतिनिधि शामिल हुए।

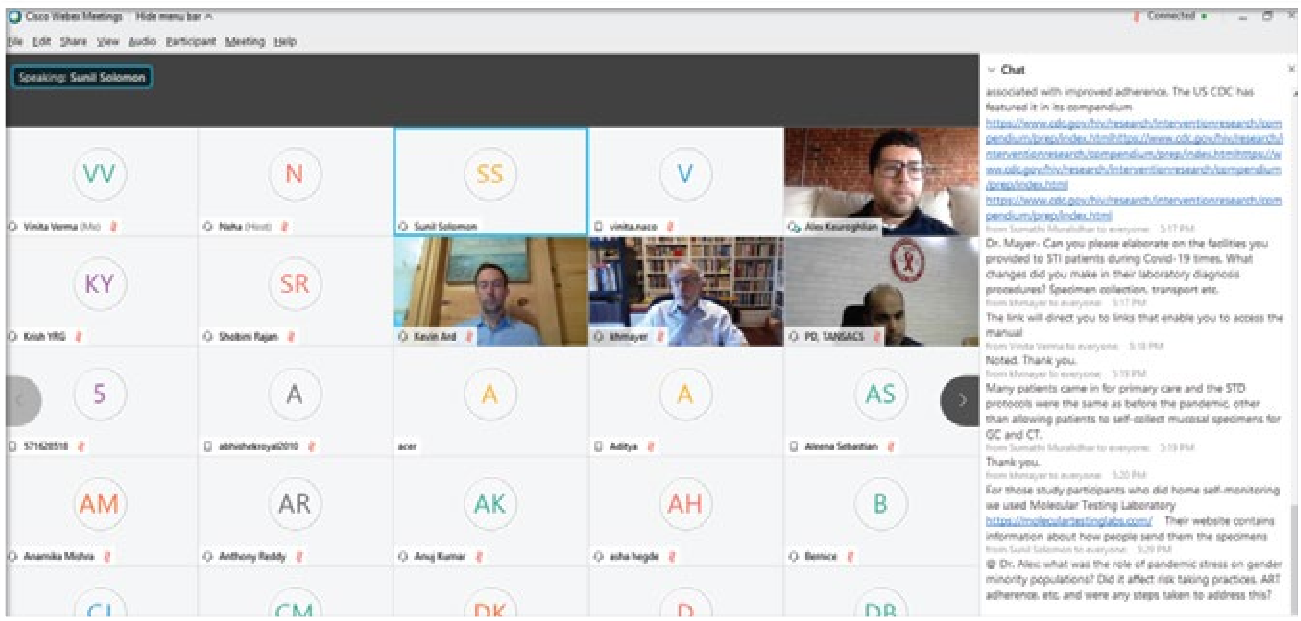

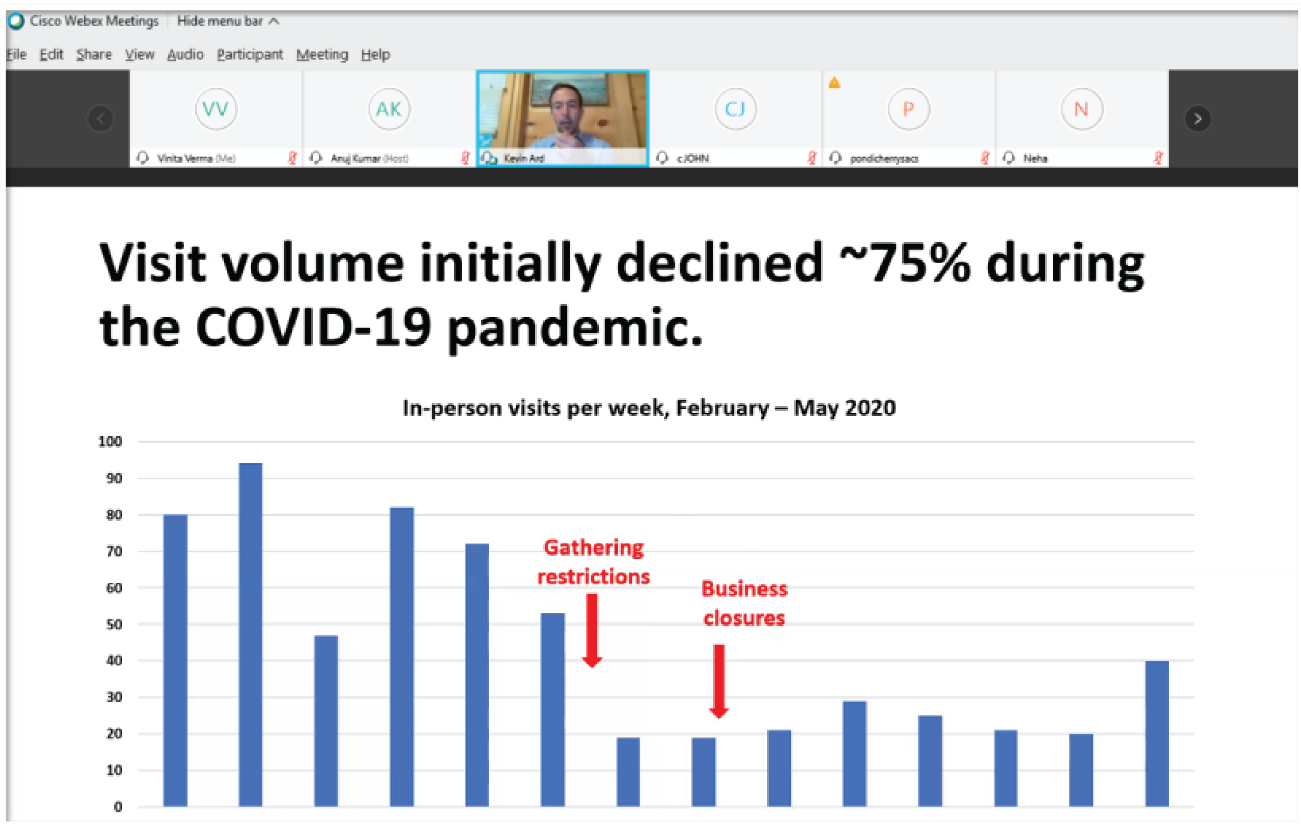

नेहा कपूर, नाको
विनीता वर्मा, नाको

अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस का आयोजन – ओडिशा राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी

दिनांक 12 अगस्त, 2020 को ओडिशा राज्य स्तर के साथ–साथ ज़िला स्तर पर विभिन्न संप्रदायों के युवाओं को शामिल करते हुए बहुत उत्साह और जोश के साथ अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया गया। कोविड–19 महामारी के कारण, सभी शैक्षणिक संस्थानों को 31 अक्टूबर तक ओडिशा में बंद कर दिया गया था इसके चलते सभी रेड रिबन क्लबों ने ऑनलाइन समारोह किए। भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, (आईआरसीएस), ओडिशा राज्य शाखा (ओएसबी), भुवनेश्वर, आरआरसी और एसबीआई के सहयोग से उड़ीसा स्टेट एड्स कंट्रोल सोसाइटी (ओएसएसीएस) ने इस अवसर पर कई कार्यक्रम आयोजित किए। दिन की शुरूआत शपथ ग्रहण से हुई जिसमें ओएसएसीएस और टीएसयू के सभी कर्मचारियों ने एक साथ मिलकर शपथ ली। शपथ कार्यक्रम का नेतृत्व डॉ. संजुक्ता साहू, परियोजना निदेशक, ओएसएसीएस ने नेतृत्व किया। विभिन्न महाविद्यालयों से आए युवा प्रतिनिधियों को बेबिनार के माध्यम से संवेदी बनाया गया। उन्होंने दिन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कैडेट्स से अपील की कि आंतरिक उर्जा के प्रति सजग होवें और राज्य तथा देश के अधिक से अधिक विकास के लिए लगन से कार्य करें।

भुवनेश्वर के विभिन्न महाविद्यालयों के रेड रिबन क्लब्स के छात्रों तथा युवा रेड क्रॉस काउंसलर्स ने इस अवसर पर मास्क (जिसमें संदेश 'जागरूक रहें, सुरक्षित रहें' और 1097 के बारे में जानकारी छपी थी), सैनिटाइजर एवं एड्स/एचआईवी व कोरोना पर पर्चियां भी रिक्शा चालकों, आने–जाने वालों, दुकानदारों, कोविड–19 योद्धाओं तथा शहर के बड़े चौराहों व सड़कों के आसपास जनसामान्य के बीच वितरित किए। ऐसे ही आयोजन डीएपीसीयू के माध्यम से संवेदनशील ज़िलों में भी आयोजित किए गए।

संवेदनशील ज़िलों में आईईसी मोबाइल वैन के माध्यम से एक सप्ताह का जागरूकता अभियान भी चलाया गया।

इसके अलावा, दिन को चिह्नित करने के लिए, राष्ट्रीय एड्स हेल्पलाइन नंबर 1097 के माध्यम से 1 लाख 27 हज़ार मोबाइल उपयोगकर्ताओं को एसएमएस भेजे गए।

कोविड–19 के संकट काल के दौरान आरआरसी द्वारा किए गए उल्लेखनीय कार्यों के बारे में यूथ रेड क्रॉस काउंसलर्स द्वारा एक पावर पॉइंट प्रेज़ेंटेशन भी प्रस्तुत की गई। प्रस्तुति में हाथ धोने पर जागरूकता, मास्क का उपयोग, सामाजिक दूरी, इस संकट की अवधि के दौरान रक्तदान का महत्व और प्रवासियों के लिए एचआईवी परीक्षण का प्रदर्शन किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस का आयोजन – गोवा राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी

गोवा एसएसीएस ने अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस मनाने के लिए अगस्त, 2020 के महीने में एक ऑनलाइन "ऑल गोवा पोस्टर प्रतियोगिता" का आयोजन किया। 46 कॉलेजों के रेड रिबन क्लबों के छात्र सदस्यों से प्रविष्टियों के रूप में 84 पोस्टर प्राप्त किए गए थे। उपरोक्त आयोजन छात्रों की रचनात्मक अभिव्यक्ति को सामने लाने के लिए आयोजित की गई थी और साथ ही "यूथ एंड एचआईवी/एड्स" विषय के बारे में युवाओं की जागरूकता बढ़ाने के लिए।

विजेताओं को विशुद्ध रूप से विकसित कलाकृतियों को उनकी रचनात्मकता, विषय के प्रति प्रासंगिकता और विचार व्यक्त करने की कलात्मक क्षमता के आधार पर आंका गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों में विचार प्रक्रिया को गति प्रदान करना और उन्हें विषय के बारे में जागरूक करना भी था।

उपरोक्त प्रतियोगिता के अलावा, गोवा एसएसीएस ने नाको द्वारा जारी दिशा–निर्देशों के अनुसार कुछ अन्य गतिविधियाँ भी आयोजित कीं, जैसे कि मास्क–डिज़ाइनिंग और पेंटिंग–प्रतियोगिता जिसके विषय थे वर्तमान सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरे जैसे एचआईवी और कोविड–19।

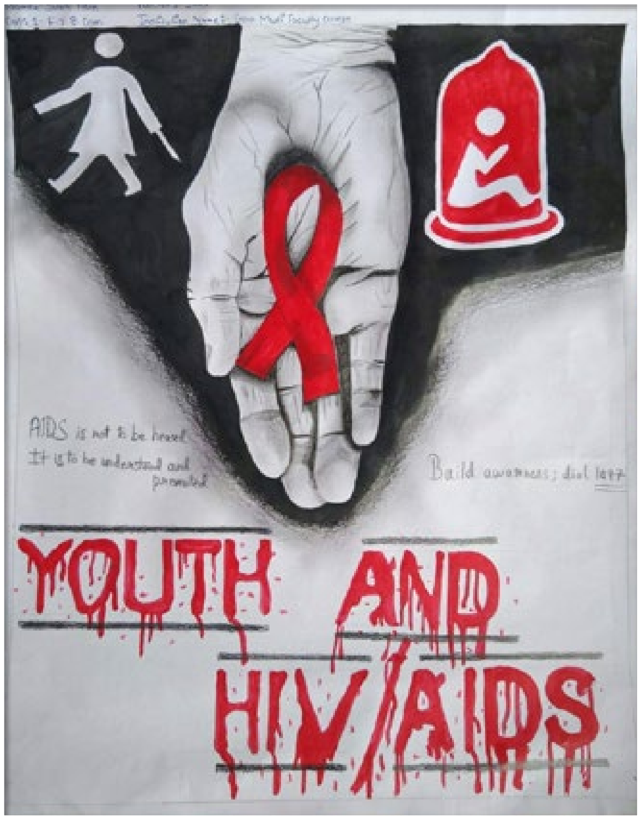
Build awareness; dial 1097
YOUTH AND HIV/AIDS

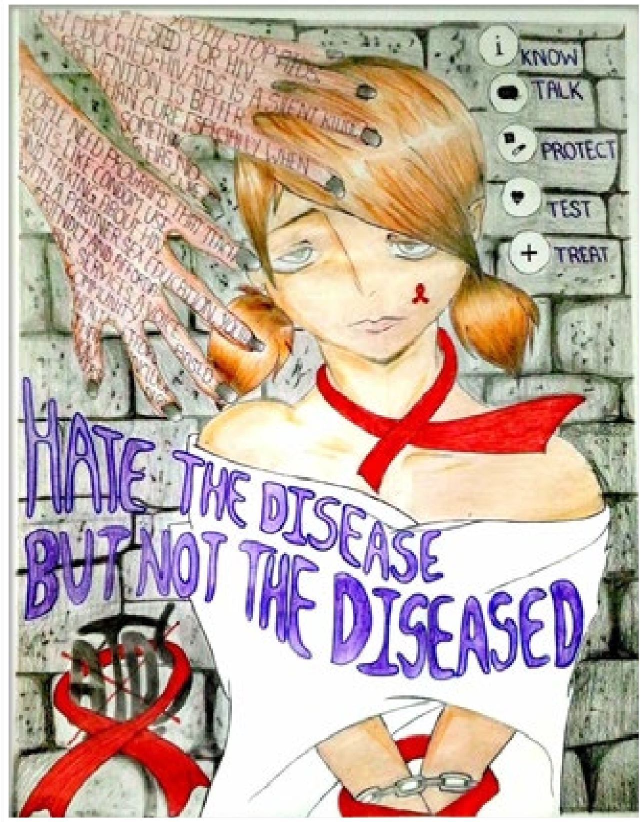
KNOW
TALK
PROTECT
TEST
TREAT
HATE THE DISEASE BUT NOT THE DISEASED

ONE ACTION!
USE OF CONDOM CAN PREVENT SEXUALLY TRANSMITTED INFECTION [STI's]
Condom
Counselling
FIGHT WITH AIDS, NOT PEOPLE WITH AIDS...
Heart broken
DRUG
DRUG
DEPRESSION
Family Problems
Teenage Pregnancy

अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस का आयोजन – नागालैंड राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी

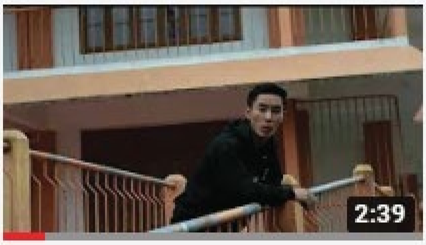

Winner of State level and Winner of Kohima district...

1st Runner up of State level and Winner of Zunheboto...

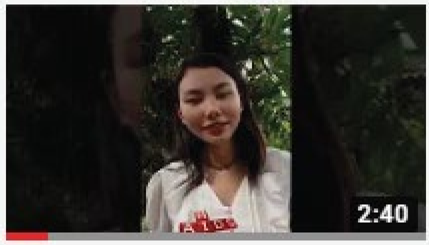

2nd Runner up of State level and Winner of Dimapur...

अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस 2020 के अवसर पर, नागालैंड के रेड रिबन क्लब (आरआरसी) के सदस्यों के लिए एक ऑनलाइन बोली शब्द प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। एचआईवी और एड्स की प्रासंगिकता के लिए विषय को अपनाने के क्रम में, आईवाईडी का यह आयोजन **"यूथ इंगेजमेंट फॉर ग्लोबल एक्शनः एलिमिनेट एचआईवी"** विषय के तहत किया गया था। इन प्रतियोगिताओं का आयोजन नागालैंड राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी द्वारा राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन, स्वस्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में और ज़िला स्तर पर ज़िला एड्स रोकथाम और नियंत्रण इकाई (डीएपीसीयू) द्वारा किया गया था।

ज़िला स्तरीय प्रतियोगिता के लिए प्रवेश 18 जुलाई से 28 जुलाई ,2020 तक खुला था। रेड रिबन क्लबों के सदस्यों के सदस्यों से भारी अच्छा प्रतिसाद प्राप्त हुआ। राज्य भर के 30 कॉलेजों से कुल मिलाकर आरआरसी के 103 सदस्यों ने भाग लिया। प्रत्येक ज़िले के लिए आयोजन के बारे में सूचना–ग्राफिक्स विकसित किए गए थे और एनएसएसीएस के आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट और वेबसाइट के माध्यम से प्रचारित किए गए थे। आरआरसी छात्रों तक पहुंचने के लिए, संबंधित डीएपीसीयू ने ज़िला स्तर पर नोडल अधिकारी/ प्राचार्य के साथ समन्वय किया और कॉलेज व्हाट्सएप समूहों के माध्यम से सूचना–ग्रा. फिक्स का प्रसार किया।

विभिन्न 10 ज़िला विजेताओं की घोषणा 3 अगस्त, 2020 को की गई और फिर इन ज़िला विजेताओं ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में अपनी मौजूदा प्रविष्टियों के साथ प्रतिस्पर्धा की। राज्य स्तर के निर्णायक सुश्री मेटविनो सैखरी, संयुक्त निदेशक (आईईसी) थीं; एनएसएसीएस, सुश्री विशु रीता क्रोचा; लेखक और प्रकाशक, और श्री विकियेटो नोएल जिमोमी; गीतकार और संगीतकार थे। दिनांक 12 अगस्त, 2020 को अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस पर राज्य स्तरीय विजेताओं के नाम घोषित किए गए।

विभिन्न श्रेणियों (राज्य और ज़िला स्तर) के विजेताओं के वीडियो एनएसएसीएस (NSACS) के आधिकारिक यूट्यूब चैनल एवं सोशल मीडिया : **फेसबुकः** /NagalandSACS, **ट्विटरः** /NagalandSACS, **इंस्टाग्रामः** /nagalandsacs, **यूट्यूबः** /NagalandSACS और **वेबसाइटः** https://www.nsacs.nagaland.gov.in. पर अपलोड किए गए हैं।

विभिन्न डिजिटल प्रयास – जम्मू और कश्मीर राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी

जम्मू और कश्मीर एड्स नियंत्रण सोसाइटी ने जम्मू और कश्मीर और लद्दाख में विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के रेड रिबन क्लबों के साथ मिलकर विभिन्न ऑनलाइन प्रयासों को अंजाम दिया।

एचआईवी/एड्स, नशीले पदार्थों की लत पर जागरूकता पैदा करने और राष्ट्रीय टोल फ्री हेल्पलाइनः 1097 के प्रचार के लिए पतंगबाज़ी और वृक्षारोपण अभियान जैसी गतिविधियां, विशेषकर

रक्षा बंधन, कृष्ण जन्माष्टमी और स्वतंत्रता दिवस जैसे विभिन्न अवसरों पर इन्हें शामिल करके, आयोजित की गईं।

अपनी पहल में, विशेष रूप से जब कोविड–19 वैश्विक महामारी के मद्देनजर शैक्षणिक संस्थानों को बंद कर दिया गया था, रेड रिबन क्लब ऑफ गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ इंडिया (जीसीओई) जम्मू में कलासलिंगम एकेडमी ऑफ रिसर्च और एजुकेशन, कृष्णकोविल, तमिलनाडु और जम्मू और कश्मीर एड्स नियंत्रण सोसाइटी के सहयोग से एच एंड एमई विभाग ने अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस – 2020 के अवसर पर सांस्कृतिक आदान–प्रदान हेतु राष्ट्रीय युवा सम्मेलन का आयोजन किया। यह एक अनूठा आयोजन था जिसमें केंद्र शासित प्रदेश जम्मू–कश्मीर और तमिलनाडु राज्य के लगभग 100 छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

युवाओं हेतु संयुक्त कार्यकारी समूह बैठक – पुडुच्चेरी एसएसीएस

दिनांक 27 जून, 2020 को पुडुच्चेरी एड्स कंट्रोल सोसाइटी (पीएसीएस) ने ज़िला कलेक्टर, पुदुचेरी के कार्यालय में युवाओं के लिए एक संयुक्त कार्य समूह की बैठक बुलाई, अस्विन चंद्रू, आई.ए.एस., उप–मंडल मजिस्ट्रेट, राजस्व और राज्य के अधिकारियों के अन्य वरिष्ठ सदस्य की उपस्थिति में डॉ. टी. अरुण, आई.ए.एस., सचिव, स्वास्थ्य–सह–जिला कलेक्टर, पुडुचेरी सरकार, ने बैठक की अध्यक्षता की।

जेडब्ल्यूजी बैठक का प्रमुख फोकस था:

- युवाओं की कमजोरियों पर प्रकाश डालें तथा इसे संबोधित करने का महत्व है।
- वर्ष 2019–20 के दौरान यूथ इंटरवेंशन प्रोग्राम के तहत की गई गतिविधियों और प्रक्रिया में सामने आए मुद्दों का विश्लेषण करना।
- इस कोविड–19 महामारी की स्थिति पर पीएचसी/ सीएचसी के समन्वय में पुडुच्चेरी संघ शासित राज्य में युवा हस्तक्षेप कार्यक्रमों के कार्यान्वयन पर चर्चा करना।

पश्चिम बंगाल में ईएमटीसीटी सप्ताह का आयोजन

एचआईवी के प्रति माँ से शिशु में इसके संचरण होने के उन्मूलन की दिशा में प्रयासों को तेज करने और इस क्षेत्र में अब तक किए गए प्रयासों को मज़बूत करने हेतु, पश्चिम बंगाल राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी ने 13 से 19 सितंबर, 2020 के दौरान ईएमटीसीटी सप्ताह मनाया।

आईईसी डिवीजन, यूनिसेफ और साथी संस्था के सहयोग से डब्ल्यूबीएसएपी एंड सीएस के बीएसडी डिवीजन द्वारा अभियान चलाया गया था। सप्ताह की शुरुआत कोलकाता और अन्य ज़िलों में आईईसी वैन को झंडा दिखाकर रवाना करने के साथ की गई थी। आईईसी वैन को ईएमटीसीटी पर विभिन्न आईईसी सामग्रियों से सजाया गया था, जिसमें इसके संदेश प्रदर्शित किए गए थे। इस वैन ने सप्ताह के दौरान संबंधित ज़िलों के भीतर उप–केंद्रों, वीएचएनडी साइटों और समुदाय, आबादी वाले क्षेत्रों को कवर किया। प्रत्येक आईईसी वैन में आईईसी सामग्रियों के सार्वजनिक आदान–प्रदान और वितरण के लिए एक स्वास्थ्य सहायक, अधिमानतः एक आशा कार्यकर्ता को तैनात किया गया था। इसके अलावा, पॉज़िटिव गर्भवती महिलाओं के साथ परस्पर बातचीत सत्र भी आयोजित किए गए थे।

एनएसएस/एनवाईके के माध्यम से कॉलेजों और युवा क्लबों में युवा संवेदनशीलता कार्यक्रम का आयोजन किया गया और युवा समुदायों तक पहुंचने के लिए अनूठे आईईसी तरीकों को अपनाया गया। ईएमटीसीटी पर संदेशों के साथ पतंग बनाई गई और विश्वकर्मा पूजा के दौरान एनवाईके के युवाओं में वितरित की गई, जिसे पश्चिम बंगाल में पतंग उत्सव के रूप में भी जाना जाता है। ईएमटीसीटी पर रेडियो स्पॉट डब्ल्यूबीएसएपी एंड सीएस द्वारा विकसित किए गए और इसे आई एंड सीए विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार के माध्यम से प्रमुख एफएम रेडियो चैनलों और आकाशवाणी में सप्ताह के दौरान दस दिनों के लिए प्रसारित किया गया।

mination of Mother To Child Transmission of HIV and Syphilis
AATHII
WEST BENGAL EMTCT WEEK 2020
13th to 19th September, 2020

BNP+
নভেল
করোনাভাইরাস
EMTCT
ELIMINATION OF

रेड आर्मी ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी – सिक्किम एसएसीएस

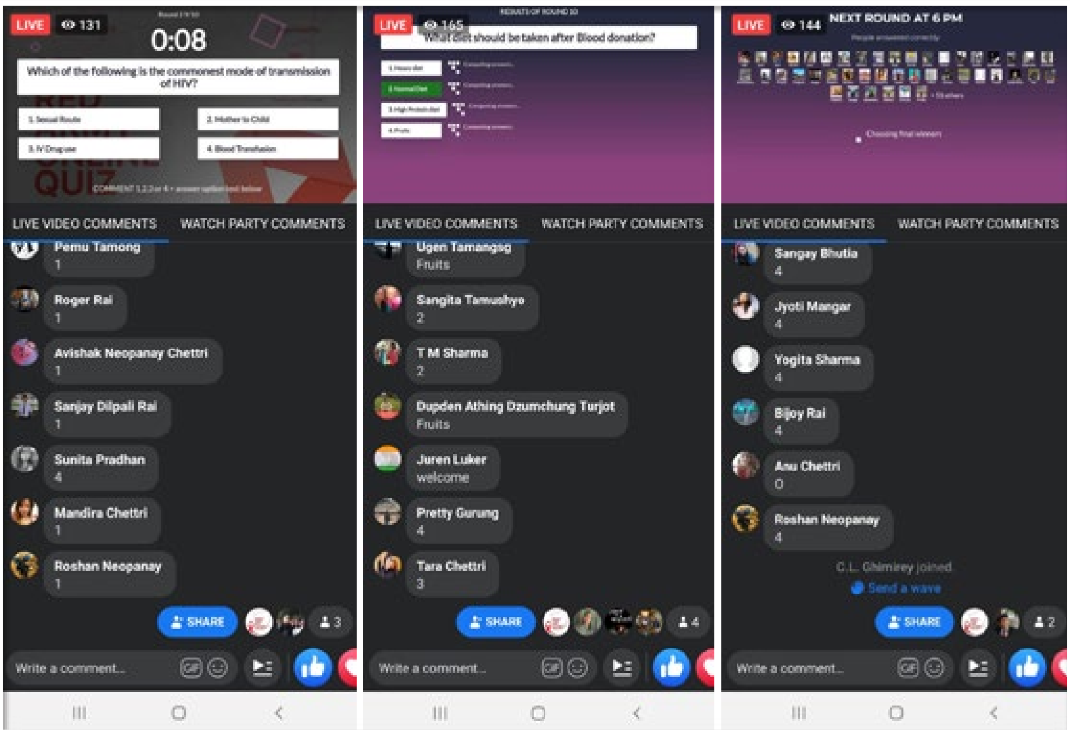

सिक्किम एसएसीएस ने अपने फेसबुक पेज के माध्यम से 26 सितंबर, 2020 को स्वैच्छिक रक्तदान के महत्व पर एक दिवसीय वर्चुअल ऑनलाइन क्विज़ का आयोजन किया। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य आम जनता तक पहुंचना और विशेष रूप से देश में चल रहे कोविड–19 वैश्विक महामारी को ध्यान में रखते हुए उन्हें स्वेच्छा से रक्तदान के लिए प्रेरित करना था।

प्रतियोगिता के सभी पांच दौरों के दौरान रक्तदान पर प्रश्नों की एक श्रृंखला को ऑनलाइन प्रतिभागियों के सामने रखा गया। क्विज़ में 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया था, और 5000 से अधिक दर्शकों द्वारा इन्हें देखा गया।

विजेताओं को राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस के अवसर पर 1 अक्टूबर, 2020 को सम्मानित किया गया।

मुख्यधारा में "जागरूक रहें– सावधानी रखें" अभियान – हरियाणा एसएसीएस

हरियाणा राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी द्वारा एक अभियान का आयोजन शीर्षक "जागरूक रहें–सावधानी रखें" विषय के अंतगर्त किया गया, जिसमें राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी के मुख्य घटक के तहत अनेक सामुहिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। इनमें से कुछ कुछ प्रमुख गतिविधियाँ थीं:

(1) अंतर्राष्ट्रीय नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी दिवस से संबंधित–

- जियो, वोडाफोन और आइडिया द्वारा लोगों को 30 लाख फ्री एसएमएस भेजे गए।
- एनवाईकेएस, रेड क्रॉस और जेल विभाग ने भी इस अभियान में हिस्सा लिया। एनवाईकेएस ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से एनवाईकेएस स्वयंसेवकों और युवा क्लबों के सदस्यों को लक्षित करते हुए वीडियो थीम गीत साझा किया। इस समन्वित प्रयास ने कुल 6,000 गांवों को कवर किया।
- साथ ही, फरीदाबाद, जींद, करनाल, सोनीपत, रोहतक, भिवानी और पानीपत में जेल विभाग के साथ जागरूकता सह परीक्षण कार्यशालाएँ आयोजित की गईं।

(2) अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस के बारे में अभियान गतिविधियाँ–

- जियो और एयरटेल द्वारा लोगों को 13 लाख फ्री एसएमएस भेजे गए।
- माध्यमिक शिक्षा और महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों के लिए संवेदीकरण कार्यशालाएं अंबाला, कैथल, करनाल, कुरुक्षेत्र, हिसार, जींद, पानीपत और सोनीपत, फरीदा. बाद पलवल, झज्जर और चारकीदादरी ज़िलों में भी आयोजित की गईं। कुल सात कार्यशालाओं का आयोजन किया गया जहां 70 अधिकारियों (जिला शिक्षा अधिकारियों, खंड शिक्षा अधिकारी, सचिव–हिंदुस्तान स्काउट एंड गाइड, ज़िला बाल एवं संरक्षण अधिकारियों और संरक्षण और परिवीक्षा अधिकारी) को इसके तहत संवेदी बनाया गया।
- विभिन्न स्थानों पर जागरूकता और परीक्षण शिविरों का भी आयोजन किया गया।

जेल वर्कशाप

जेल वर्कशाप, पानीपत

जेल वर्कशाप,
सोनीपत

जेल वर्कशाप,
करनाल

जेल वर्कशाप,
फरीदाबाद

जेल वर्कशाप, रोहतक

जेल वर्कशाप, जींद (मीडिया कवरेज)

कैदियों को बताए नशे के दुष्प्रभाव

हरियाणा एड्स कंट्रोल सोसायटी के तत्वावधान में जिला कारागार में कार्यशाला आयोजित

संवाद न्यूज एजेंसी

जींद। हरियाणा एड्स कंट्रोल सोसायटी के तत्वावधान में बुधवार को जिला कारागार में अंतरराष्ट्रीय नशा विरोधी पखवाड़े के तहत कार्यशाला का आयोजन गया।

सिविल सर्जन डॉ. मनजीत सिंह के दिशा निर्देशों पर आयोजित वर्कशॉप में मुख्यातिथि के तौर पर डिप्टी एमएस डॉ. राजेश भोला शामिल हुए। उन्होंने बंदियों, कैदियों व जिला कारागार कर्मियों को नशे के दुष्प्रभाव एवं एड्स बीमारी के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में डिप्टी सिविल सर्जन संदीप लोहान, एमओ डॉ. बिजेंद्र, डॉ. अनूप, जिला कारागार उपाधीक्षक राकेश लोहचब मौजूद रहे।

जिला कारागार में बंदियों, कैदियों को जागरूक करते डॉ. राजेश भोला। *संवाद*

डिप्टी एमएस ने कहा कि किसी भी राष्ट्र की जनता ही वहां की सबसे बड़ा धन और ताकत होती है। यदि जनता का भविष्य ही अंधकार में चला जाए तो वह देश उन्नति नहीं कर सकता है।

आज का युवा नशा और धूम्रपान करने को शान समझता है, लेकिन उसे यह नहीं मालूम कि यही नशा उनका भविष्य नाश कर देता है। ऐसे में नशे को देश से मुक्त करने के लिए हर व्यक्ति को अपने स्तर पर प्रयास करना चाहिए। इससे होने वाली हानियों के विषय में जानकर खुद को इससे दूर रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोगों की नशे की लत छुड़वाने के लिए जींद मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पताल में ओएसटी सेंटर भी खोला गया है। उन्होंने बताया कि नशे के दौरान कई बार एक ही सिरिंज का इस्तेमाल किया जाता है जो एड्स का मुख्य कारण बनता है।

Friday, 26 June 2020

"Use of Drugs can increase the chances of HIV infection." For more information. Dial Toll Free Helpline-1097. "# BeAwareTakeCare"

Love is Blind, but HIV is not. So, HIV status every six months, Check Kiya Kya? Visit nearest Govt. Hospital ICTC, Dial toll free no 1097 for more information - Haryana State AIDS Control Society

जियो, आईडिया, वोडाफोन, एयरटेल द्वारा वितरित एसएमएस

कोविड–19 के दौरान रक्त की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सौम्य और आनुवांशिक कदम – केरल एसएसीएस

जीवन का उपहार, रक्तदान

केरल में स्वैच्छिक रक्तदान के प्रचार के एक हिस्से के रूप में, केरल राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी/केरल राज्य रक्त आधान परिषद ने राज्य के 52 रक्त बैंकों में फेसबुक टूल का उपयोग करते हुए आसपास के क्षेत्र में फेसबुक पर पंजीकृत रक्त दाताओं तक पहुंचाने का निर्णय लिया। फेसबुक के रक्तदान उपकरण पर एक आभासी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। इस प्रशिक्षण के एक भाग के रूप में कुछ ब्लड बैंकों ने रक्त दान मुहिम को बढ़ावा देने और ज़रूरत के समय में दान के लिए मांगने और कॉल करने के लिए अपने सोशल मीडिया पेज शुरू किए हैं।

दिनांक 18 अगस्त, 2020 को एक वेबिनार का आयोजन दो विभागों के सौजन्य में किया गया, युवा तथा स्वैच्छिक रक्तदान, जहां संसाधन व्यक्तियों ने सहकर्मी शिक्षकों के महत्व और उनके मामलों में दूसरों के विचारों को प्रभावित करने की दिशा में महत्वपूर्ण मामलों पर प्रकाश डाला, जैसे कि सुरक्षित स्वास्थ्य आदतें, रक्त दान का महत्व, स्वस्थ जीवन शैली को बनाए रखने की आवश्यकता, और चिकित्सा की आपात स्थिति के दौरान मदद करने के तरीके, आदि।

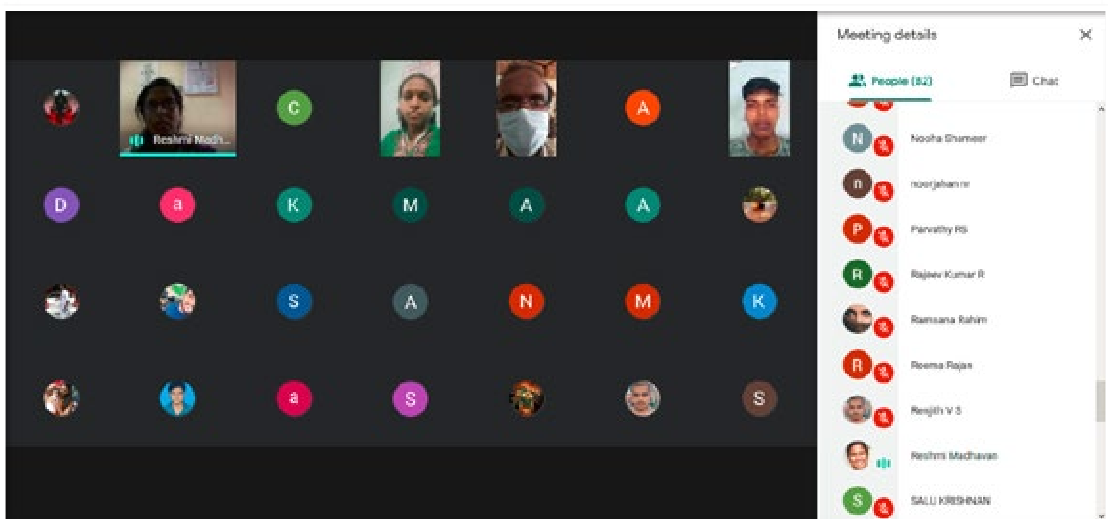

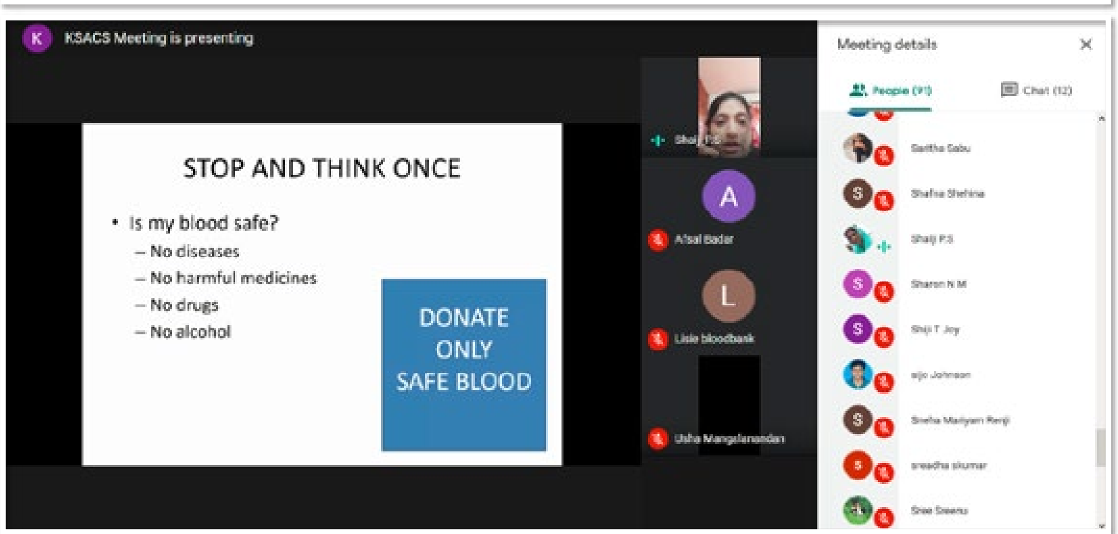

कोरोना से सुरक्षित रहें

अपना मास्क ठीक से पहनें

अपने हाथों को साबुन से बार–बार धोएं

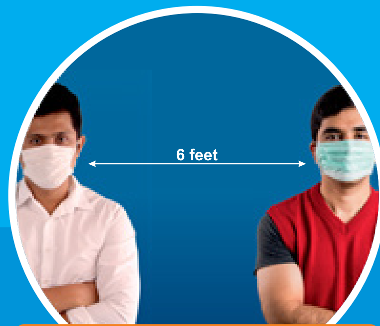

उचित दूरी बनाए रखें

कोई लापरवाही नहीं जब तक इलाज न आ जाए

संरक्षकः सुश्री आरती आहुजा, अपर सचिव और महानिदेशक (नाको), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

संयुक्त सचिव, नाकोः श्री आलोक सक्सेना, संयुक्त सचिव, नाको

संपादकः डॉ. नरेश गोयल, उप–महानिदेशक, नाको

संपादकीय पैनलः डॉ. सुनील गुप्ता, अपर महानिदेशक, डॉ. ए. के. पुरी, उप–महानिदेशक, डॉ. शोभिनी राजन, उप–महानिदेशक, डॉ. राजेश राणा (राष्ट्रीय परामर्शदाता), नाको, डॉ. ज्योतिका चीमा (परामर्शदाता) नाको

नाको समाचार, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का सूचनापत्र है।

6वां तल और 9वां तल चंद्रलोक बिल्डिंग, 36 जनपथ, नई दिल्ली–110001। टेलीफोनः 011–43509930, फैक्सः 011–23731746, www.naco.gov.in

संपादन, डिज़ाइन एवं प्रकाशनः द विजुअल हाउस, ईमेलः tvh@thevisualhouse.in

आपके सुझाव हमारे लिए महत्वपूर्ण है, कृपया feedback4naconewsletter@gmail.com पर अपने सुझाव लिखें

http://naco.gov.in/ www.mohfw.nic.in www.pmindia.gov.in www.mygov.in @NACOINDIA

मुफ्त और गुप्त एच.आई.वी. परामर्श और जांच के लिए नज़दीकी सरकारी अस्पताल में परामर्श एवं जांच केन्द्र (आईसीटीसी) से संपर्क करें

सरकारी अस्पतालों में एंटीरेट्रोवायरल थैरेपी चिकित्सा केन्द्रों में एच.आई.वी. का नि:शुल्क इलाज उपलब्ध है।